ज़ख्मो पे श्याम मेरे | By Mitu Pandit

ज़ख्मो पे श्याम मेरे मरहम लगाने आजा
दुनिया का हूँ सताया अपना बनाने आजा

ठोकर मिली जहां की अपनों ने साथ छोड़ा
होने लगे पराये यारों ने नाता तोडा
दिल पे लगी हैं चोटें इनको मिटाने आजा

मुश्किल की इस घडी में कोई साथ ना निभाए
खुद मेरी बेबसी ही मेरा जिगर जलाये
अग्नि लगी है राहों में इसको बुझाने आजा

अरमान मेरे सारे अश्क़ों में बह रहे हैं
रो रो के तुमको बाबा हर अश्क़ कह रहे हैं
मीतू दरश का प्यासा दर्शन दिखने आजा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%96%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%8b-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-mitu-pandit/